POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A - III (Hons), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

संगठन : अभिप्राय एवं सिद्धांत

संगठन मानव आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। परिवार जैसी मूलभूत इकाई से लेकर राष्ट्रीय राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ संगठन के प्रतीक माने जाते हैं। आधुनिक युग में मानव कई सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन के साथ संलग्न रहता है। चेस्टर बर्नार्ड के अनुसार "आज हम व्यक्तियों को पहचानने के लिए सर्वप्रथम यह देखते हैं कि वे किस प्रकार संगठन के सदस्य हैं।" जब व्यक्ति सामान्य उद्देश्य के लिए अंतर्सहयोग करते हैं तो उसे संगठन कहते हैं।

एण्ड्रयू कार्नेजी के अनुसार "चाहे हमसे सारे कारखाने, समस्त व्यापार, यातायात के साधन, हमारा धन छीन लो, लेकिन हमारे पास हमारे संगठन को छोड़ दो, हम चार वर्षों में पुनः स्थापित हो जायेंगे।"

एल. डी. व्हाइट के शब्दों में "मानव संगठित समाज में रह रहा है।" इस प्रकार मानव जीवन के इतिहास को स्वयं संगठन का इतिहास कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।